# INDIA NON JUDICIAL

## Government of Uttar Pradesh

सत्यमेव जयते

IN-UP34930843380053V

e-Stamp

DALCHAND STAMP VENDOR
ACC No: UP14087504
Licence No.- 499
Civil Court, Ghaziabad
Mob. No.- 9936627361

₹10

| | | |
|---|---|---|
| **Certificate No.** | : | **IN-UP34930843380053V** |
| Certificate Issued Date | : | 06-Oct-2023 03:32 PM |
| Account Reference | : | NEWIMPACC (SV)/ up14087504/ GHAZIABAD SADAR/ UP-GZB |
| Unique Doc. Reference | : | SUBIN-UPUP14087504656188452511 57V |
| Purchased by | : | SURAJ PAL SINGH TOMAR |
| Description of Document | : | Article 24 Copy or Extract |
| Property Description | : | Not Applicable |
| Consideration Price (Rs.) | : | |
| First Party | : | SURAJ PAL SINGH TOMAR |
| Second Party | : | Not Applicable |
| Stamp Duty Paid By | : | SURAJ PAL SINGH TOMAR |
| Stamp Duty Amount(Rs.) | : | 10<br>(Ten only) |

IN-UP34930843380053V

Please write or type below this line

प्रतिलिपि पर देय स्टाम्प ........ 10

कुल पृष्ठ ........ 6

सत्यप्रतिलिपि का क्रमांक ........ 1550/23

सत्यप्रतिलिपि

पक्ष ........

कुल ........

Statutory Alert:

1. The authenticity of this Stamp certificate should be verified at 'www.shcilestamp.com' or using e-Stamp Mobile App of Stock Holding. Any discrepancy in the details on this Certificate and as available on the website / Mobile App renders it invalid.
2. The onus of checking the legitimacy is on the users of the certificate.
3. In case of any discrepancy please inform the Competent Authority.

सत्यमेव जयते
उत्तर प्रदेश

Indexed by [illegible] 2/9

बही नम्बर १—दस्तावेज का सिलसिले का नम्बर 357 5483

| मौका और ब्यौरा उस जायदाद का जिसका वर्णन दस्तावेज में है (ऐक्ट १६ बाबत सन् १६०८ ई० की दफा २१) | | | | आदले की किस्म और मालियत | स्टाम्प की मालियत |
|---|---|---|---|---|---|
| जिले का नाम | तहसील और परगने का नाम | गाँव का नाम | उस जायदाद के दूसरे ब्यौरे ऐक्ट १६ बाबत सन् १६०८ ई० की दफा २१ के अनुसार और तारीख तकमील | | |
| मेरठ | गा० बाद<br>ज० बाद | सिकरी खुर्द | चक नं० २४४ मुतालिका नम्बरों शिजरा खसरा सहराई ३५७ मि० चार बिस्वा पन्द्रह बिस्वानसी, ३६० मि० तीन बिस्वा दस बिस्वानसी, ३६५ एक बीघा दस बिस्वे — आदि ८ योगन ० १० रकबई ५।।)२ — ६ ह० रा० 776/-<br>15.9.1970 | बैनामा<br>76464/- | 500/- ×6 = 3000<br>200/- ×2 = 400<br>35/- ×1 = 35<br>7/50 ×1 = 7/50<br>उपनिबन्धक |

दस्तावेज की नकल

हम कि श्री **बशीर व मुन्शी व सुलेमान** पुत्रगण शादी निवासी ग्राम सिकरी खुर्द परगना जलालाबाद तहसील गाजियाबाद जिला मेरठ के हैं। विदित होकि ग्राम **सीकरी खुर्द** परगना जलालाबाद तहसील गाजियाबाद जिला मेरठ में चक नं० २४४ मुतालिका नम्बरों शिजरा खसरा सहराई ३५७ मि० चार बिस्वा पन्द्रह बिस्वानसी, ३६० मि० तीन बिस्वा दस बिस्वानसी, ३६५ एक बीघा दस बिस्वे १२४३ मि० दो बिस्वा उन्नीस बिस्वानसी, १२५० मि० एक बिस्वा, १२५१ मि० एक बिस्वा, १२५२ मि० एक बीघा बारह बिस्वा, १२५३ अठारह बिस्वा १२५४ सत्तरह बिस्वा, १२५५ दो बिस्वा तीन बिस्वानसी, योग नम्बरान दस रकबई ५।।)२—६ पांच बीघा बारह बिस्वा सात बिस्वानसी पुख्ता भूमि लगानी २१—६० पैसे सालाना जो बाद कटौती ६७—६३ प्राप्त हुआ है के हम मुकरान बरफे तकसीम कानूनी बकाती बिला किसी अन्य व्यक्ति की शरकत के तनहा मालिक काबिज और दकीलकार भूमिधर हैं जो हर प्रकार के बन्धक भार सरकारी देनदारी आदि से सुरक्षित हैं। कहीं आड रहन बय—हिबे मोहदा बय आदि में ग्रस्त नहीं है। जिसका पकीन खरीदार को वहलफ दिला दिया गया है। उक्त भूमि के अतिरिक्त ग्राम उपरोक्त में कोई भूमि विक्रेतागण के पास नहीं है इस कारण मुकरान चकबन्दी विभाग से इजाजत बय हासिल करने का मोहताज नहीं है। अत: हमने अपनी खुशी रजामन्दी शुद्ध बुद्धि स्वास्थ इन्द्रियों से बिला किसी दबाव व अमलाव के प्रभावित होते हुये उपरोक्त भूमि को तमामी हकूक मालकाना दाखली खारजी हर किसम मजीदी जो कुछ भी उससे सम्बन्धित है को आज की तारीख में बदले मुबलिग — **७६४६४)** छियत्तर हजार चार सौ चौंसठ रुपया आधे जिसके अड़तीस हजार दो सौ बत्तीस ३८२३२) रुपया होते हैं मैं वहक **मैसर्स मोदी इन्डस्ट्रीज लि० मोदीनगर** द्वारा **प० जनार्दन दत्त शर्मा लो आफीसर मोदी इन्डस्ट्रीज लि० मोदीनगर** परगना जलालाबाद तहसील गाजियाबाद जिला मेरठ के बय कतई कर दी और बैय की और तमाम रुपया नकद रजिस्ट्री पर श्री सबरजिस्ट्रार साहब गाजियाबाद के सामने वसूल

सत्यप्रतिलिपि
पत्रा ..........
मुन्ना ..........

उप सब रजिस्ट्रार प्रथम गाजियाबाद
उत्तर प्रदेश

बही नम्बर १---दस्तावेज का सिलसिले का नम्बर 5483 Cont.

| मौजा और ब्यौरा उस जायदाद का जिसका वर्णन दस्तावेज में है (ऐक्ट १६ बाबत सन् १९०८ ई० की दफा २१) | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] | तहसील [illegible] का नाम | [illegible] का नाम | उस जायदाद के दूसरे ब्यौरे ऐक्ट १६ बाबत सन् १९०८ ई० की दफा २१ के अनुसार और तारीख [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| | | | | 1 | |

दस्तावेज की नकल

पा लिये हैं। अब इकरार यह है कि वि क्रय भूमि को ~~मिल कियत~~ मिलकियत व उसके मूल्य व्याज आदि से हमारा और वारसान हमारे का कोई सम्बन्ध बाकी नहीं रहा है और न आइन्दा होगा। कब्जा मौके पर वाकई व कामिल रूप से खरीदारा फर्म को मिसल अपने हवा लगी सुपुर्दगी करा दिया गया है। जिससे खरीदारा फर्म पूरा रूप से मालिक बन गई है अपनी इच्छा नुसार जिस प्रकार चाहे अपने प्रयोग में लावें। दाखिल खारिज कागजात माल में बदल खरीदारा फर्म करा दिया जावेगा वरना खरीदारा फर्म खुद करालें। यदि बवजह वे हसत हवा को हमारे या हमारे वारसान की दावेदारी से विक्रय भूमि कब्जा खरीदारा फर्म से निकल जावे गी तो खरीदारा फर्म के मालिकान को अधिकार होगा कि अपना कुल रुपया मय सूद कानूनी हमारी जात खास व जायदाद हर किसम से वसूल करलें। विक्रय पत्र का व्यय खरीदारा फर्म ने सहन किया है। विक्रय भूमि की माल गुजारी 21-50 पैसे सालाना है जिसकी बाजारी कीमत यही है। अतः यह बैनामा लिख दिया कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवे। नोट-पर्त 2 की सतर 5 में शब्द मुकसान और बदले के बीच का शब्द कटा है। पर्त 4 की सतर 1 में शब्द हमने और अपनों के बीच का शब्द कटा है। पर्त 5 की सतर 2 में शब्द जिनके और अड तीस के बीच का शब्द कटा है। पर्त 8 की सतर 1 में इच्छा नुसार और जिस के बीच की इबारत कटी है। बशीर (प्र) मुन्शी (प्र) पु० सुलेमान तहरीर 15-6-60 ई० मसौदा भूले राम बकील नवीस गाजियाबाद पु० भूले राम (इजाजत 10) टाइप किया पु० प्र० प्रकाश (ज्ञानप्रकाश)

15-6-60 अ० बशीर (प्र) अ० मुन्शी (प्र) अ० सुलेमान गवाह सतप्रकाश गुप्ता S/o लाल श्री राम गुप्ता मोदी नगर अ० बशीर (प्र) अ० मुन्शी अ० सुलेमान गवाह राम फल पुत्र दल पत सिंह मोदी नगर (प्र) सत्यप्रतिलिपि बशीर (प्र)

अ० मुन्शी (प्र) अ० सुलेमान अ० बशीर (प्र) अ० मुन्शी (प्र) अ० सुलेमान अ० बशीर (प्र) अ० मुन्शी (प्र) अ० सुलेमान अ० बशीर (प्र) अ० मुन्शी (प्र) अ० सुलेमान अ० बशीर (प्र) अ० मुन्शी (प्र) अ० सुलेमान अ०

सह रजिस्ट्रार प्रथम गाजियाबाद
सत्यमेव जयते
उत्तर प्रदेश

बही नम्बर १—दस्तावेज का सिलसिले का नम्बर 359 5483 Contd

| मौजा और ब्यौरा उस जायदाद का जिसका वर्णन दस्तावेज में है (ऐक्ट १६ बाबत सन् १९०८ ई० की दफा २१) | | | | | |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| जिले का नाम | तहसील और परगने का नाम | मौजे का नाम | इस जायदाद के दूसरे ब्यौरे ऐक्ट १६ बाबत सन् १९०८ ई० की दफा २१ के अनुसार और तादाद तकमील | मालगुजारी और मालियत | लगान की मालियत |
| | | | | | |

दस्तावेज की नकल

बशीर (१) अ० मुन्शी अ० सुलेमान अ० बशीर अ० मुन्शी अ० सुलेमान — अ० बशीर अ० मुन्शी अ० सुलेमान × (१) × नं० 241 (१) ता० 15 9/70 रू० 500/- का मोदी (१) इन्द स्टीम (१) लि० मोदी नगर द्वारा श्री जनार्दन दत्त शर्मा वैन्डर (ह०) सुरेन्द्र कुमार तहसीलदार गाजियाबाद

नं० 242 ता० 15 9/70 रू० 500/- स्टाम्प नं० 241 में शामिल किया ह०. सुरेन्द्र कुमार तहसीलदार गाजियाबाद

नं० 243 ता० 15 9/70 रू० 500/- का स्टाम्प नं० 241 में शामिल किया ह०. सुरेन्द्र कुमार तहसीलदार गाजियाबाद

नं० 244 ता० 15 9/70 रू० 500/- का स्टाम्प नं० 241 में शामिल किया ह०. सुरेन्द्र कुमार तहसीलदार गाजियाबाद

नं० 245 ता० 15 9/70 रू० 500/- का स्टाम्प नं० 241 में शामिल किया ह०. सुरेन्द्र कुमार तहसीलदार गाजियाबाद

नं० 246 ता० 15 9/70 रू० 500/- का स्टाम्प नं० 241 में शामिल किया ह०. सुरेन्द्र कुमार तहसीलदार गाजियाबाद

नं० 247 ता० 15 9/70 रू० 200/- का स्टाम्प नं० 241 में शामिल किया ह०. सुरेन्द्र कुमार तहसीलदार गाजियाबाद

नं० 248 ता० 15 9/70 रू० 200/- का स्टाम्प नं० 241 में शामिल किया ह०. सुरेन्द्र कुमार तहसीलदार गाजियाबाद

नं० 249 ता० 15 9/70 रू० 35/- का स्टाम्प नं० 241 में शामिल किया ह०. सुरेन्द्र कुमार तहसीलदार गाजियाबाद

नं० 250 ता० 15 9/70 रू० 7/50 का स्टाम्प नं० 241 में शामिल किया ह०. सुरेन्द्र कुमार तहसीलदार गाजियाबाद

शुल्क रजिस्ट्री 776/- नकल फीस के लिए 1/50 योग 777/50 शब्द लगभग 600

श्री बशीर पुत्र श्री शादी पेशा खेती निवासी सीकरी खुर्द परगना जलालाबाद ने दस्तावेज हाजा दफ्तर सब रजिस्ट्रार गाजियाबाद में आज दिनांक १५-९-७० समय मध्य ४ बजे के प्रस्तुत किया ह०. रामपाल लि० व सब रजिस्ट्रार १५-९-७०

अ० बशीर (१)

दस्तावेज की तकमील और उसमें लिखे हुए कुल जर बदल मु० छिहत्तर हजार चार सौ चौंसठ रू० 76464/- नकद मेरे सामने वसूल पाकर उक्त श्री बशीर व मुंशी व सुलेमान पिसरान शादी नि० सीकरी खुर्द ने स्वीकार किया पहचान मुकिर मजकूर की श्री श्यामा पुत्र श्री खुशीराम पेशा दुकानदार वासी नि० वासी सीकरी खुर्द परगना जलालाबाद श्री पुरुषोत्तम स्वरूप पुत्र श्री महावीर प्रसाद पेशा नौकरी निवासी मोदी नगर परगना जलालाबाद ने की गवाहान मजकूर आदमी लगते हैं गवाह नं० 2 को शिनाख्त से मुसतकिल किया ह०. रामपाल सब रजिस्ट्रार ह० १५-९-७० अ० बशीर अ० मुंशी ह०. सुलेमान ह०. श्यामा (१) (१) (१) (१)

ह०. पुरुषोत्तम स्वरूप बही नम्बर I जिल्द 1511 के पन्ना 357/359 में नम्बर 5483 पर आज दिनांक 19-9-70 ई. को रजिस्ट्री की गई ह०. रामपाल सब रजिस्ट्रार

Copied by: [signature]

सत्यप्रतिलिपि

पढ़ा........

सुना........

[signature]

उप रजिस्ट्रार प्रथम गाजियाबाद
उत्तर प्रदेश